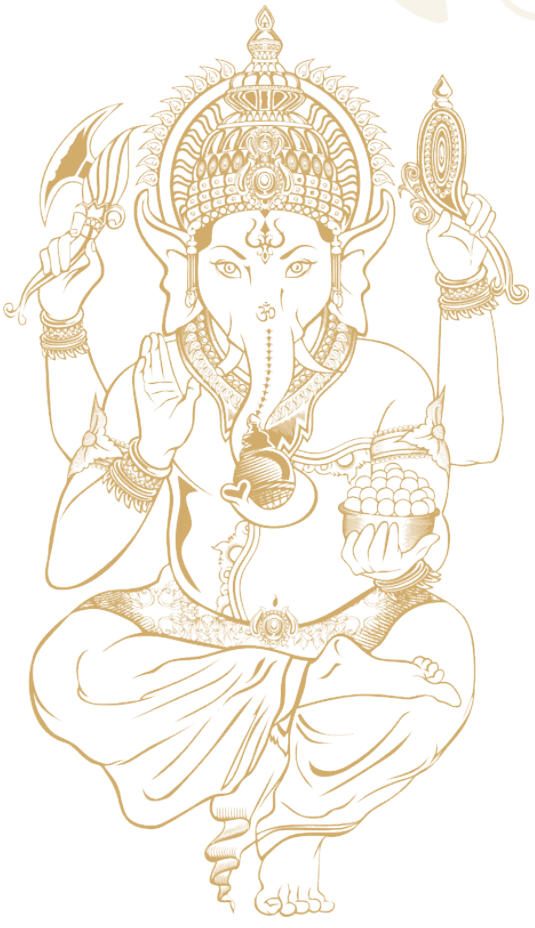

Komal

22 Nov 2002

05:17 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121449706

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/11/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:17:00 घंटे**
इष्ट	26:07:21 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:38:20 घंटे
वेलान्तर	00:13:58 घंटे
साम्पातिक काल	20:43:31 घंटे
सूर्योदय	06:50:03 घंटे
सूर्यास्त	17:59:29 घंटे
दिनमान	11:09:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:06:10 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:42:08 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	25:42:08	397:31:04	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	06:06:10	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	03:29:31	12:30:39	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	00:15:25	00:38:30	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	10:49:45	01:33:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
गुरु			कर्क	23:58:33	00:02:20	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	06:11:23	00:02:53	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:39:46	00:04:04	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	14:45:30	00:00:38	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	14:45:30	00:00:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:09:28	00:00:56	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:36:24	00:01:05	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:53:56	00:02:13	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मक	14:33:24	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:33

लग्न-चलित

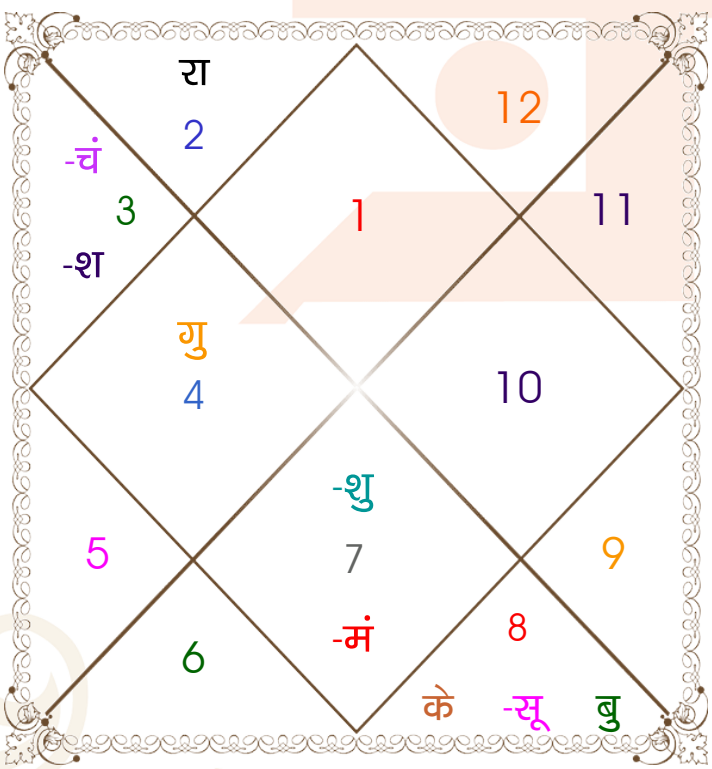

चन्द्र कुंडली

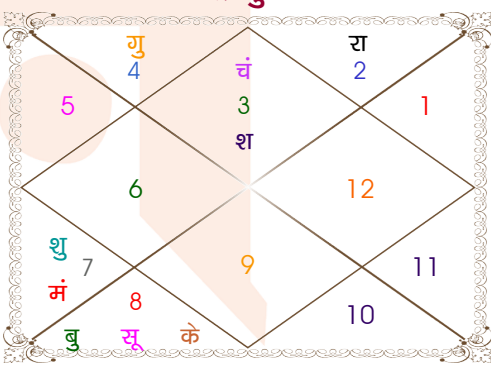

नवमांश कुंडली

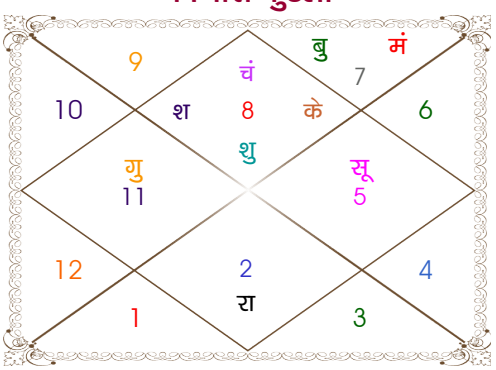

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 8 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/11/2002		23/07/2004		24/07/2022		24/07/2038		23/07/2057	
23/07/2004		24/07/2022		24/07/2038		23/07/2057		24/07/2074	
	00/00/0000	राहु	05/04/2007	गुरु	10/09/2024	शनि	26/07/2041	बुध	20/12/2059
	00/00/0000	गुरु	29/08/2009	शनि	24/03/2027	बुध	04/04/2044	केतु	16/12/2060
	00/00/0000	शनि	05/07/2012	बुध	29/06/2029	केतु	14/05/2045	शुक्र	17/10/2063
	00/00/0000	बुध	22/01/2015	केतु	05/06/2030	शुक्र	14/07/2048	सूर्य	22/08/2064
	00/00/0000	केतु	10/02/2016	शुक्र	03/02/2033	सूर्य	26/06/2049	चंद्र	22/01/2066
	22/11/2002	शुक्र	09/02/2019	सूर्य	22/11/2033	चंद्र	25/01/2051	मंगल	19/01/2067
शुक्र	17/08/2003	सूर्य	04/01/2020	चंद्र	24/03/2035	मंगल	05/03/2052	राहु	07/08/2069
सूर्य	23/12/2003	चंद्र	05/07/2021	मंगल	28/02/2036	राहु	10/01/2055	गुरु	13/11/2071
चंद्र	23/07/2004	मंगल	24/07/2022	राहु	24/07/2038	गुरु	23/07/2057	शनि	24/07/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/07/2074		23/07/2081		24/07/2101		25/07/2107		24/07/2117	
23/07/2081		24/07/2101		25/07/2107		24/07/2117		00/00/0000	
केतु	20/12/2074	शुक्र	22/11/2084	सूर्य	11/11/2101	चंद्र	24/05/2108	मंगल	20/12/2117
शुक्र	19/02/2076	सूर्य	22/11/2085	चंद्र	12/05/2102	मंगल	23/12/2108	राहु	08/01/2119
सूर्य	26/06/2076	चंद्र	24/07/2087	मंगल	17/09/2102	राहु	24/06/2110	गुरु	15/12/2119
चंद्र	25/01/2077	मंगल	22/09/2088	राहु	12/08/2103	गुरु	24/10/2111	शनि	23/01/2121
मंगल	23/06/2077	राहु	23/09/2091	गुरु	30/05/2104	शनि	24/05/2113	बुध	20/01/2122
राहु	11/07/2078	गुरु	24/05/2094	शनि	12/05/2105	बुध	24/10/2114	केतु	18/06/2122
गुरु	17/06/2079	शनि	23/07/2097	बुध	19/03/2106	केतु	25/05/2115	शुक्र	23/11/2122
शनि	26/07/2080	बुध	24/05/2100	केतु	25/07/2106	शुक्र	23/01/2117		00/00/0000
बुध	23/07/2081	केतु	24/07/2101	शुक्र	25/07/2107	सूर्य	24/07/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में बृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सकी तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगी।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगी। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगी। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग की शिकार हो जाएंगी। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगी।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हैं। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगी। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगी।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़ी धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगी। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश का आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़ी कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगी तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहती हैं, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगी।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप

अपनी जन्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगी।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेती हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाती हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगी।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगी तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगी। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगी। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।